# प्रकाशन


1. अग्रवाल डी; गुप्ता एस; अग्रवाल डी; गुप्ता ओपी; अग्रवाल एम. उत्तर भारतीय जनसंख्या मं ओरल सबम्यूकोअस फाइब्रोसिस की अतिसंवेदन शीलताः जीएसटीएम और जीएसटीटी पालीमार्फिज्म की भूमिका। आनकोलॉजीः 79; 2010; 2010; 181-6.
2. अहमद एम; अख्तर एम जे; वर्मा एस; कुमार ए; सिद्दीकी एम के. बचपन अप्लस्टिक अनेमीया हेतु एक जोखिम के रूप में पर्यावरण लेड प्रभावन। बायोसी ट्रेंड्सः 5; 2011; 38-43.
3. अहमद आई; शुक्ला एस; कुमार ए; सिंह बीके; पटेल डीके; पाण्डे एचपी; सिंह सी.। रैट लीवर में टॉक्सीकेण्ट रेसपांसिव जीन्स का मानेब तथा पैराक्वाट प्रेरित अधिमिश्रण। केम बायोल इनटरेक्टः 188; 2010; 566-79.
4. अहमद आई; सिद्दीकी एच; अख्तर एमजे; खान एमआई; पाटिल जी; आसकीन एम; पटेल डीके; अरिफ जेएम। हड्डी आधारित औद्योगिक इकाईयों के कार्य परिवेश से एकत्रित व्यावसायिक धूल से प्रभावित प्राइमरी रैट होपेटोसाइट्स में विषालु प्रतिक्रिया, केमोस्फीयर- 83; 2011; 455-60
5. अली डी; वर्मा ए; मुजतबा एफ; द्विवेदी ए; हंस आरके; रे एसएस। मानव केराटिनोसाइटस में रियेक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज द्वारा क्राइसिन का डीएनए क्षति संभाव्यता और यूवीबी-प्रेरित एपोपटोसिस, टॉक्सिकोल लेट : 204; 2010; 199-207
6. अंसारी केएम; दास एम., आर्जीमोन तेल के सामयिक उपयोग द्वारा ट्यूमर वृद्धि का पोटेन्शीयेशन। माउस स्किन कार्सीनोजेनेसिस के मॉडल में आइसोलेटेड सैंगुइनरीन अल्कलायड, केम-बायोल इनटेरेक्टः 183; 2010; 591-7
7. बजाज ए; पाठक ए; मुडियम एमआर; मोइलराज एस; मणिक्कम एन, सुडोमोनास स्पे. स्ट्रेन आईआईटीआर01 का विलगन तथा वर्णन जो ए-एंडोसल्फान तथा इंडोसल्फान सल्फेट को घटाने में सक्षम है, जो एप्लीक्रे बियल 109:2010:2135-45
8. बंदोपाध्याय एस; हुआंग एक्स; लाहिरी डीके; रोजर्स जेटी, अल्जाइमर रोग के मेटालोबायोलाजी पर आधारित नोबल ड्रग टार्ग्रेट। एक्सपर्ट ओपिन थर टारगेट्सः 14; 201; 1177-97
9. बनर्जी टी; बर्मन एससी; श्रीवास्तव आरके, इंटीग्रटेड इंडस्ट्रीयल इस्टेट-पंतनगर में मॉडल कार्य मूल्यांकन तथा स्त्रोत सहायता आंकलन हेतु वायु प्रदूषण विसर्जन प्रतिमान का उपयोग, इन्वार्न पाल्यूट 159; 2011; 865-75
10. भुई के, त्यागी एस, प्रकाश बी, शुक्ला वाई, अनारस ब्रोमीलेन आटोफेगी को प्रेरित करता है, मैमरी कार्सीनोमा सेल में एपोपटोइक रेस्पांस को आसान बनाता है, बायोफैक्टर्स 36; 2010; 474-82
11. चंद्रा आर, अभिषेक ए, एक्सेनिक में ब्लैक लिकर का बैक्टीरियल डीकलराइजेशन तथा मिश्रित अवस्थाएं तथा मेटाबोलाइट्स का लक्षण-वर्णन, बायोडीग्रेडेशन 22, 2011; 603-11
12. चंद्रा आर, अभिषेक ए, शंखवार एम, रेयान ग्रेड पल्प निर्माण कागज उद्योग से ब्लैक लिकर विषमुक्त और बैक्टीरियल रंगहीन करना तथा उनके मेटाबोलिक उत्पादों की जांच करना, बायोरिसोर्स टेक्नॉल 102, 2011; 6429-36
13. चंद्रा आर, भार्गव आर एन, कापले ए, परोहित एच जे, चमड़े के कारखाने के गंदे जल का निम्नीकरण तथा विषहरण के दौरान कामन

एफ्लूएण्ट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईपीटी) के दो एयरेशन लैगून्स में बैक्टीरियल विविधता, जैविक प्रदूषक तथा उनके मेटाबेलाइट बायोरिसोर टेक्नाल 102; 2011; 2333-41

14. चंद्रा आर, यादव एस, फ्रैगमाइट्स कमिन्स का उपयोग कर एक्वीअस साल्यूशन से कैडमियम, क्रोम, कापर, मैगनीज, फेरस, निकेल, लेड और जिंक का फाइटोरोमीडिएशन, टाइफा एंगस्टोफोलिया तथा साइपरस एसक्यूलेन्टस, इंट जे फाइटोरीमेड 13; 2011, 580-91

15. दास एस; कांगरूट बीएस, प्रयोगशाला में लाइमनेइया ल्यूटिओला एल जो कि भारतीय तालाबों में पाया जाने वाला एक घोंघा है उसके भोजन और विकास पर कैडमियम का जैवसंचयन तथा विषालु प्रभाव, जे हजार्ड मेटरः 182; 2010; 763-70

16. दास एस; कांगरूट बीएस, तालाब में पाए जाने वाले घोंघे लाइमनेइया ल्यूटिओला पर भोजन, वृद्धि उत्पादकता और विकास पर कॉपर का जैवसंचयन और विषालु प्रभाव, जे हजार्ड मेटरः 185; 2010; 295-305

17. देब पी; गुप्ता केसी; फ्लोरिया जे, चिर्पड पल्स एम्पलीफिक्रेशन सिस्टम्स हेतु ग्लास रो जनरेटिव एम्पलीफायर तथा हाई आउटपुट एनर्जी के साथ बढ़ी हुई बैंडविथ, एप्ली ओप्टः 49; 2011; 1698-706

18. धवन ए; शर्मा वी। नैनोमटीरियल का विषालुता आंकलनः तरीके और चुनौतियाँ, ऐनल बायोनल केमः 398; 2010; 589-605

19. दिक्षित एस; खन्ना एसके; दास एम। हाई परफार्मेन्स लिक्विड क्रोमेटोग्राफी द्वारा विभिन्न खाद्य मैट्रिक्सेस में सामान्यतया पाए गए पाँच गैर-स्वीकृत खाद्य रंगों और आठ संश्लेषित स्वीकृत का एक साथ निर्धारण। जे एओएसी इन्टः93; 2010; 1503-14

20. दिक्षित एस; पुरूषोत्तम एसके खन्ना एसके; दास एम। भारत के विभिन्न राज्यों में संश्लेषित खाद्य रंगों के उपयोग का तरीका तथा विशेष रूप से बच्चे द्वारा उपयुक्त सामग्री का प्रभाव आंकलन। फूड आडिट कनटेम पार्ट एः 28; 2011; 996-1005

21. दुबे एसपी, द्विवेदी एडी; सिलानप्पा एम; गोपाल के। आइबूप्रोफेन एब्जार्पसन हेतु आटीमीसीया वल्गेरिस-डेराइव्ड मेसोपोरस हनीकोम्ब-शेप्ड एक्टीवेटेड कार्बन। केम इंजी. जेः 165; 2010; 537-544

22. द्विवेदी एडी; दुबे एसपी; गोपाल के। जलीय वातावरण में डीफ्लोरीडेशन हेतु प्लांट वेस्ट-कार्बन तथा सक्रिय प्राकृतिक खनिज द्वारा एडजार्पटिव तथ्य को सुदृढ़ करने हेतु तुलनात्मक जांच। डिसालीनेशन : 263; 2010; 189-99

23. द्विवेदी एडी; गोपाल के। कीनोपोडियम एल्बम लीफ एक्सट्रैक्ट का उपयोग कर चाँदी और सोना नैनोपार्टिकल्स का जैवसंश्लेषण। कोलोईड सरफेसेस ए : 369; 2010; 27-33

24. द्विवेदी एसकेडी; सिंह एन; कुमारी आर; मिश्रा जेएस; त्रिपाठी एस; बनर्जी पी; शाह पी; कुशल वी; त्यागी एएम; गायकवाड एएन; चतुर्वेदी आरके; मिश्रा डीपी; त्रिवेदी एके; सानयाल एस; चटोपाध्याय एन; रामचन्द्रन आर; सिद्दीकी एमआई; बंदोपाध्याय ए; अरोरा ए; लुंडसेन टी; अनक एसपी; मोर डीडी सानयाल एस। एस्ट्रोजेन रिसेप्टर संबंधित रिसेप्टर अल्फा द्वारा PPARy कोएक्टीवेटर -1a एक्सप्रेशन GW 4064 के विरूद्ध बाइल एसिड रिसेप्टर को नियंत्रित करते हैं।

25. जार्ज जे; सिंह एम; श्रीवास्तव एके; बुई के; राय पी; चतुर्वेदी पीके; शुक्ला वाई। एक्टीवेटेड MAPKs तथा P53 के अवरोधन द्वारा माउस त्वचा ट्यूमर वृद्धि को सहक्रिया से दबाता है जो रेसवेराट्राल तथा ब्लैक टी पाली फेनाल के संयोजन से है।

26. जार्ज जे; सिंह एम; श्रीवास्तव एके; भुई के;

शुक्ला वाई। अनार रस के सार द्वारा माउस त्वचा ट्यूमर्स का सहक्रियाशील वृद्धि अवरोधन तथा डाइलिन सल्फाइड : सक्रिय MAPKs/NF-? B के अवरोधन तथा क्षीण कोशिका प्रसरण के साक्ष्य। एफडी केम टाक्सीकोल : 49; 2011; 1511-20

27. गोयल आर; बंसल आर; त्यागी एस; शुक्ला वाई; कुमार पी; गुप्ता केसी। इन विट्रो तथा इन विवो नयूक्लिक एसिड-कैरियर्स के रूप में 1,4 - ब्यूटानिडियोल डाईग्लाइसिडिल ईथर (बीडीई) क्रासलिंक्ड PEI-9- इमिडाजोल नैनोपार्टिकल्स। मोल बायोसिस्ट : 7;2011; 2055-65

28. गोयल आर; त्रिपाठी एसके; त्यागी एस; राम केआर; अंसारी केएम; शुक्ला वाई; कार चौधरी डी; कुमार पी; गुप्ता केसी; जीन डेलीवरी एजेंटस के रूप में गेलन गम ब्लेंडेड नैनोकंपोजिट्स, इन विट्रो तथा इन विवो अध्ययनों से साक्ष्य। इयुर जे फार्म बायोफार्मः 79; 2011; 3-14

29. गुप्ता एम; द्विवेदी यूएन; खण्डेलवाल एस। ट्राईब्यूटिलटिन द्वारा थाइमिक एट्रोफी के विरूद्ध एक प्रभावी रक्षक पदार्थ। टाक्सीकोल लेटः 204; 2011; 2-11

30. गुप्ता एससी; मिश्रा एम; शर्मा ए; दीपक बालाजी टीजी; कुमार आर; मिश्रा आरके; चौधरी डीके। प्रतिक्रियात्मक ऑक्सीजन प्रजाति के उत्पत्ति द्वारा ड्रोसोफिला में डीएनए क्षति तथा क्लोरफाइरीफोस एपोपटोसिस को प्रेरित करता है। ईकोटाक्सीकोल इनवायरोल सफः 73; 2010; 1415-23

31. गुप्ता एसके; गुप्ता एसके; रिमता एस; श्रीवास्तव एम; ली एक्स; स्चिमत्ज़ यू; रहमान क्यू; वोल्केन्हौएर ओ; वीरा ओ। पैनडेमिक HINI स्ट्रेन्स में न्यूरामिनिडेज प्रोटीन को लक्ष्य कर ''जनामिवीर'' की प्रभाविता का प्रतिदर्श तथा अभिकलचत्मक जटिलता विश्लेषण। इनफैक्ट जेनेट एवोलः 11; 2011; 1072-85

32. गुप्ता एसके; रिमता एस; सारंगी एएन; श्रीवास्तव एम; अख्रून बीए; रहमान क्यू; गुप्ता एसके। इन सिलिको CD4+T सेल एपीटोप भविष्यवाणी तथा नेईसेरिया मेनिन जाइटिडिस सीरोग्रुप B-a टीका विकास हेतु एक संकेत के संभावित प्रोटीन हेतु HLA वितरण विश्लेषण। वाच्सिने : 28; 2011; 7092-97

33. गुप्ता एसके; श्रीवास्तव एम; अख्रून बीए; रिमता एस; स्चिमत्ज यू; वोल्केन्हौएर ओ; वीरा जे; गुप्ता एसके। विश्व व्यापी रूप से वितरित इन्फ्यूएन्जा-ए HINI न्यूरामिनिडेस में इम्यूनोजेनिक कन्सेनसस टी-सेल एपीटोप्स की पहचान। इनफैक्ट जेनेट एवोलः 11; 2011; 308-19

34. जौहरी ए; चतुर्वेदी आरके; भेल एमएफ। हागिंग टाइट इन इनटिंगटंस। नत मेड (न्यूज़ एण्ड व्यूज): 17; 2011; 245-46

35. ज्योति ए; पाण्डे पी; सिंह एसपी; जैन एसके; शंकर आर। गोल्ड नैनोपार्टिकल्स का उपयोग कर इस्चेरिचिया कोलाइ उत्पन्न करने वाले शिगा टॉक्सिन के न्यूक्लीक एसिड सिग्नेचर का कोलोरोमीट्रिक जाँच। जे नानोक्सी नानोतेंच्नोलः 10; 2010; 4154-8

36. ज्योति ए; वाजपेयी पी; सिंह जी; पटेल सीबी; गुप्ता केसी; शंकर आर। नानटाइफोडियल सैलमोनेलीसिस के पर्यावरण जलाशय की पहचानः मात्रात्मक पीलीमरेस चेन रियेक्शन द्वारा सेलमोनेला टाइफीमुरियम की अनुवर्ती जांच और एपटामर सहायता प्राप्त जैवसंकेन्द्रण। इनवायरोन सी टेक्नोलः 459; 2011; 8996-02

37. कश्यप एमपी; सिंह एके; कुमार वी; त्रिपाठी वीके; श्रीवास्तव आरके; अग्रवाल एम; खन्ना वीके; यादव एस; जैन एसके; पंत एबी। PC12 कोशिकाओं में मोनोक्रोटोफोस प्रेरित एपोपटोसिसः जीनोबायोटिक मेटाबोलाइजिंग साइटोक्रोम P450S की भूमिका। पीएलओएस वनः 6; 2011; ई 17757

38. कश्यप एमपी; सिंह एके; सिद्दीकी एमए; कुमार

वी; त्रिपाठी वीके; खन्ना वीके; यादव एस; जैन एसके; पंत एबी। मोनोक्रोटोफोस अनावृत्त कोशिकाओं में कैसपेस केसेकेड नियंत्रित माइटोकांड्रिया मीडिएटेड एपोटोसिस। केम रेस टाक्सिकोलः 23; 2010; 1663-72

39. खान एजे; शर्मा ए; चौधरी जे; परमार डी। आरंभिक अवस्था अलकोहलिक लीवर सिरहोसिस में ब्लड लिम्फोसाइट साइटोक्रोम P4502E1 का प्रवर्तन। एल्कोहल : 45;2011; 81-7

40. खान एमआई; इस्लाम एन; सहस्त्रबुद्धे एए; महदी एए; सिद्दीकी एच; आश्किन एम; अहमद आई। मानव फेगोसाइटिक THP-I कोशिकाओं में TNF-a को सर्वव्यापी खतरनाक धातु लेड प्रवृत्त करता हैः ERK1/2 की प्राथमिक भूमिका। जे हजार्ड मैटर : 189; 2011; 255-64

41. कुमार ए; पाण्डे एके; सिंह एसएस; शंकर आर; धवन ए। जीवाणु में नैनोपार्टिकल उद्ग्रहण के आंकलन हेतु फ्लो साइटोमीट्रिक प्रणाली। साइटोमेट्री पार्ट एः 79ए; 2011; 707-12

42. कुमार ए; पाण्डे एके; सिंह एसएस; शंकर आर; धवन ए। जीवाण्विक कोशिकाओं में धातु ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स का कोशिकीय उद्ग्रहण और म्यूटाजेनिक संभावना। चेमोस्फेरे : 83; 2011; 1124-32

43. कुमार ए; पाण्डे एके; सिंह एसएस; शंकर आर; धवन ए। इंजीनियर्ड ZnO तथा Tio(2) नैनोपार्टिकल्स आक्सीडेटिव स्ट्रेस प्रवृत्त करते हैं तथा डीएनए क्षति इस्चेरिचिया कोलाइ की व्यावहारिकता को कम करते हैं। फ्री रेडिक बायोल मेडः 51; 2011; 1872-81

44. कुमार डी; पाण्डे आरके; अग्रवाल डी; अग्रवाल डी। गहन आरंभिक बचपन क्षय युक्त बच्चों में सैलाइवा के संपूर्ण एण्टीआक्सीडेण्ट क्षमता का मूल्यांकन तथा एक अनुमान। इंट जे पेडैत्र डेन्टः 21; 2011; 459-64

45. लाल के; मनी यू; पाण्डे आर; सिंह एन; सिंह एके; पटेल डीके; सिंह एमपी; मूर्ति आरसी। बायोमास ईंधन गोबर (कंडा) धुएं की विषालुता के मूल्यांकन हेतु बहु पद्धतियाँ। इकोटाक्सिकोल इनवायरोन सेफ : 74; 2011; 2126-32

46. मिश्रा एम; शर्मा ए; नेगी एमपी; द्विवेदी यूएन; चौधरी डीके। ड्रोसोफिला मेलानोगेस्टर में ट्राईवैलेंट और हेक्सोवेलेंट क्रोमियम द्वारा जीनोरॉक्सीसिटी के लीक को ढूँढ़ना। मूटट रेसः 722; 2011; 44-51

47. मिश्रा ए; कुमार आर; मिश्रा वी; चौधरी बीपी; त्रिपाठी ए; दास एम; द्विवेदी पीडी। रिनटिस और ब्रोंकियल एस्थमा प्रदर्शित करने वाले रोगियों द्वारा स्वीकृत रेड ग्राम (कैजानस केजन एल मिल स्पे.) पालीपेपटाइड्स का लक्षण-वर्णन। फूड केम टाक्सिकोल : 48; 2010; 2725-36

48. जल और दूध के नमूनों में बिसफेनाल-ए का सालिड-फेज माइक्रोएक्सट्रैक्शन-गैस क्रोमैटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रो मीट्रिक के निर्धारण हेतु इथाइल क्लोरोफार्मेट डेरीवेटाइजेशन का उपयोग। अनल बायोनाल केमः 40; 2011; 1695-701

49. मुदैम एमके; सिंह एमपी; चौधरी डीके; मूर्ति आरसी। विषविज्ञान अध्ययनों में संभावित उपयोग हेतु सालिड-फेज माइक्रोएक्सट्रैक्शन/गैस क्रोमैटोग्राफी/मास स्पेक्ट्रोमीट्री द्वारा ड्रोसोफिला मेलावोगेस्टर के लार्वा में बेंजीन, टाउलीन तथा जाइलीन का मात्रात्मक मूल्यांकन। जेएओएसी इन्टः 93; 2010; 1595-99

50. मुजतबा एसएफ; द्विवेदी ए; मुदैम एमकेआर; अली डी; यादव एन; राय आरएस। परिवेशी पर्यावरण अधिकता पर यूवी-आर तथा प्रकाश के अंतर्गत फोटोसेंसीटाइज्ड एन्थ्रैसीन द्वारा आरओएस का उत्पादन। फ्रेटोकेम फोटोबियोलः 87; 2011; 1067-76

51. निगम एन; जार्ज जे; श्रीवास्तव एस; राय पी; भुई के; सिंह एम; शुक्ला वाई। B(a) P प्रेरित माउस स्किन ट्यूमोरीजेनेसिस में माइटोकांड्रियल

सिग्नलिंग पाथवे का संबंध तथा P53 के अधिमिश्रण के साथ संबंधित (6) जिंजेशल द्वारा एपोपटोसिस का अनुमान। कैंसर केमदर फार्माकोल : 65; 2010; 687-96

52. पाण्डे एम; गुप्ता केपी। इथाइलनाट्रोसोरिया अनावृत्त माउस लंग में आइनोसिटोल हेक्साफास्फेट द्वारा जीन एक्सप्रेशन के अधिमिश्रण में एक आरंभिक घटना, एपीजेनेटिक्स। नुत्र कैंसर : 63; 2011; 89-99

53. पाण्डे आर; गुप्ता एस; टण्डन एस; वोल्केन्हौएर ओ; वीरा जे; गुप्ता एसके। कैर्नोहैबटाइडिस एलीगेन्स में अधिग्रहण/ऐंठन एपीलेप्टिक जैसा बैकोसाइड ए दमन करता है। सिजुरे : 19; 2010; 439-42

54. पाठक ए; शंकर आर; गर्ग एसके; मनिक्कम एन। 60-एकईआर ओलिगोन्यूक्लियोटाइड माइक्रोअरे का उपयोग कर विविध संदूषित परितंत्र में बैक्टीरियल 165xRNA जीन्स तथा बायोडीग्रेडेशन की रूपरेखा। एप्ल माइक्रोबायोल बायोटेक्नोल : 90; 2011; 1739-54

55. पाठक एमके; फरीद एम; बिहारी वी; माथुर एन; श्रीवास्तव एके; कुद्दास एम; नायर केसी। उत्तर भारत में कीटनाशक छिड़कने वाले लोगों में अस्वस्थता तथा कोलीनेस्टरेस स्तर। अक्यूप मेड (लोंड) : 61; 2011; 512-14

56. पटनायक एस; आरिफ एम; पाठक ए; कुरुपति आर; सिंह वाई; गुप्ता केसी; न्युक्लिड एसिड थेराप्यूटिक्स के वितरण हेतु क्रास लिंक्ड पालीइथाइलीनीमाइन हेक्सामेटाफास्फेट। नैनोमेडिसिनः 6; 2010; 344-54

57. पटनायक एस; आरिफ एम; पाठक ए; सिंह एन; गुप्ता केसी। न्यूक्लिक एसिड्स हेतु प्रभावशाली गैर-वायरल वेक्टर्स : पीई 1-एजलीनेट नैनाकंपोजिट्स। इन्ट जे फार्म : 385; 2010; 194-202

58. पटनायक एस; त्रिपाठी एसके; गोयल आर; अरोड़ा ए; मित्रा के; विल्लावेर्दे ए; वी ज़्कुएज़ ई; शुक्ला वाई; कुमार पी; गुप्ता केसी। मैमेलियन सेल्स में SIRNA ट्रांसफेक्शन तथा पालीइथाइलीनमाइन पालीइथाइलीनग्लायकोल-बिस (एमिनोइथाइलफास्फेट) नैनोपार्टिकल्स मीडिएटेड कार्यकुशल डीएनए। साफ्ट मैटर : 7; 2011; 6103-12

59. पूजन एस; कुमार एस। ट्रांसप्लेसेंटल Brdu लेबलिंग होने पर फ्लो एसाइटोमीट्री-आधारित लेबल-रिटेनिंग स्टेम सेल्स का लक्षण वर्णन। सेल बायोल इन्टरेक्ट : 35; 2011; 147-51

60. राम एस; बाजपेयी पी; द्विवेदी पीडी; शंकर आर। जल में STEC का संवर्धन-मुक्त जांच तथा प्रगणना। इटाक्सीकोल इन्वायरोन सेफ : 74; 2011; 551-57

61. रुवाली एम; परमार डी। सिर और गले के स्कवेमस सेल कार्सिनोमा के साथ साइटोक्रोम में P450s कार्यात्मक रूप से महत्वपूर्ण पॉलीमार्फिज्म का संबंध। इंडियन जे एक्स बायोल : 48; 2010; 651-65

62. सेठ सीएस; मिश्रा वी; सिंह आरआर; जोला एल। सूर्यमुखी (हेलीएन्थस एनस एल) हाइड्रोपोनिक कल्चर में EDTA-परिष्कृत लेड फाइटोरीमीडिएशन। प्लांट सोइल : 347; 2011; 231-42

63. सेठी डी; कुमार ए; गाँधी आरपी; कुमार पी; गुप्ता केसी। SU-B-कोटेड ग्लास माइक्रोस्लाइड्स का उपयोग कर ओलिगोन्यूक्लीयोटाइड माइक्रोअरे फैब्रीकेशन हेतु नया प्रोटोकाल।

64. शर्मा ए; शुक्ला एके; मिश्रा एम; चौधरी डीके। नयूट्रल कोमेट असे से डबल स्ट्रैण्ड ब्रेक्स की जाँच हेतु इन विवो मॉडल के रूप में ड्रोसोफिला मेलानोगेस्टर का विधिमान्यकरण तथा उपयोग। मुटट रेस : 721; 2011; 142-46

65. शर्मा ए; मिश्रा एम; राम केआर; कुमार आर; अबदीन एमजेड। ड्रोसोफिला मेलानोगेस्टर में

एन्डोसल्फान के प्रतिकूल प्रभावों को समझने हेतु ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण पूरा ज्ञान उपलब्ध कराता है। केमोस्फेरे : 82; 2011; 370-6

66. शर्मा एस; सिंह आरएल; कक्कण पी। प्राइमरी हीपेटोसाइट्स में एसीटेमिनोफेन प्रेरित एपोपटोसिस के दौरान प्रोबायोटिक्स से कैसपेसेस तथा Bax/BCL2 का अधिमिश्रण। फूड केम टाक्सिकोल : 49; 2011; 770-79

67. शर्मा वी; सिंह एसके; एंडरसन डी; टोबीन डीजे; धवन ए। प्राथमिक मानव एपीडर्मल केराटिनोसाइट्स में जिंक ऑक्साइड नैनोपार्टिकल प्रेरित जीनोविषालुता। जे नैनोसी नैनोटेक्नोल : 11; 2011; 3782-88

68. शुक्ला केके; मिश्रा वी; मेंहदी एए; सिंह आर; शंखवार एसएन; पटेल डी; दास एम। ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, डीएनए क्षति तथा एपोपटोसिस को घटाते हुए अनुर्वर पुरुषों में स्पर्म की गुणवत्ता विथेनिया सोमनीफेरा बढ़ाता है। रिप्रोडक्टिव बायो मेडीसिन : 22; 2011; 421-427

69. शुक्ला आरके; शर्मा वी; पाण्डे एके; सिंह एस; सुल्तान एस; धवन ए। मानव एपीडर्मल सेल में टाइटेनियम डाईऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स द्वारा प्रेरित आरओएस-मध्यस्थ जीनोविषालुता। टाक्सिकोल इन विट्रो : 25; 2011; 231-41

70. शुक्ला वाई; जॉर्ज जे। कैंसर के विकास हेतु न्यूट्रास्यूटिकल्स के उपयोग से संयोजन के उपाय। अन्न एन वाई अकाद स्की : 1229; 2011; 162-75

71. शुक्ला वाई; सिंह आर। कैंसर रोकथाम हेतु रेसवेराट्रोल तथा सेलुलर प्रक्रिया। अन्न एन वाई अकाद स्की : 1215; 2011; 1-8

72. सिंह एके; तिवारी एमएन; दिक्षित ए; उपाध्याय जी; पटेल डीके; सिंह डी; प्रकाश ओ; सिंह एमपी। नायग्रोस्ट्रायटल प्रोटियोमिक्स का साइपरमीथ्रिन प्रेरित उत्प्रेरण-निर्भर तथा स्वतंत्र विनिमय। टाक्सिकोल स्कीः 122; 2011; 526-38

73. सिंह बीके; कुमार ए; अहमद आई; कुमार वी; पटेल डीके; जैन एसके; सिंह सी। जिंक प्रेरित ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस में डोपामाइनर्जिक न्यूरोडोजनरेशन : सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेस तथा होमी आक्सीजीनेस-1 का उपयोग। फ्री रेडिक रेस : 45; 2011; 1207-22

74. सिंह बीके; त्रिपाठी एम; पाण्डे पीके; कक्कड़ पी। माइटोकॉड्रियल थियोल में परिवर्तन कैल्सियम आयन आधारित मेम्ब्रेन पारगम्यता परिवर्तन को बढ़ाता है और इन विट्रा में डिसफंक्शन-mtThiol, Ca(2+) तथा ROS के मध्य एक क्रास टॉक। मोल सेल बायोकेम : 357; 2011; 373-85

75. सिंह जी; वाजपेयी पी; राम एस; शंकर आर। दक्षिण एशिया गंगा नदी प्रणाली में एण्टरोटॉक्सीजेनिक इशीरीचिया कोलाई में पर्यावरण रिसखायर। इनवायरोन स्की टेक्नोल : 44; 2010; 6475-80

76. सिंह केपी; गुप्ता एस; सिंह एके; सिन्हा एस। रेसपांस सरफेस मॉडलिंग एप्रोच का उपयोग कर मैग्नेटिक नैनोकंपोजिट्स द्वारा जल से क्रिस्टल वायलेट डाई के अवशोषण को बढ़ाना। जे हजार्ड मैटर : 186; 2011; 1462-73

77. सिंह एम; सिंह आर; भुई के; त्यागी एस; मोहम्मद जेड; शुक्ला वाई। माइटोकॉड्रियल पाथवे द्वारा टी पालीफेनाल्स प्रेरित एपोपटोसिस तथा न्यूक्लियर फैक्टर कप्पा बी को रोकना तथा मानव सर्वाइकल कैंसर कोशिकाओं में Akt सक्रियता। अनकोल रेसः 19; 2011; 245-57

78. सिंह एमपी; मिश्रा एम; शर्मा ए; शुक्ला एके; मुडयम एमके; पटेल डीके; राम केआर; चौधरी डीके। बेंजीन, टाउलीन तथा जाइलीन से प्रभावित ड्रोसोफिला मेलानोगेस्टर में जीनोविषालुता तथा एपोपटोसिस : क्वेरसीटीन और करक्यूमिन द्वारा क्षीणन। टाक्सीकोल अप्ल फार्माकोल : 253; 2011; 14-30

79. सिंह एमपी; सिंह वीके; पटेल डीके; टंडन पीके; गौर जेएस; बिहारी जेआर; यादव एस। लखनऊ भारत के निवासियों के मध्य पार्टीकुलर मैटर मध्यस्थ भारी धातु प्रभावन को कम करने के उपकरण के रूप में फेस माक्स उपयोग। स्की टोटल इनवायरोन : 408; 2010; 5723-8

80. सिंह आर; मिश्रा वी; सिंह आरपी। क्रोमियम-कॉटेदार मिट्टी से हेक्सावेलेन्ट क्रोमियम के निष्कासन में संश्लेषण, लक्षण वर्णन और जीरो-वैलेन्ट आयरन नैनोपार्टिकल की भूमिका। जे नैनोपार्ट रेस : 13; 2011; 4063-73

81. सिंह एस; वृष्नी एस; सिंह बीके; रहमान आई; कक्कड़ पी। तनाव प्रतिक्रिया प्रक्रियाः ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस-मीडिएटेड दुष्क्रिया में एक नियंत्रित बिन्दु तथा चिरकालिक उत्तेजक रोग। फ्री रेडिक रिस : 44; 2010; 1267-88

82. सिंह वी; उपाध्याय जी; रस्तोगी एन; सिंह के; सिंह एमपी। उत्तर भारतीय महिलाओं में स्तर कैंसर अतिसंवेदनशीलता तथा जीनो बायोटिक मेटाबोलाइजिन्ग जीन्स में पालीमार्फिज्म। जेनेट टेस्ट मोल बायोमार्कर्स : 15; 2011; 343-49

83. सिंघल एनके; श्रीवास्तव जी; पटेल डीके; जैन एसके; सिंह एमपी। माउस में पैराक्वाट प्रेरित पार्किन्सन्स रोग फीनोटाइप तथा मानेब को मेलाटोनिन अथवा सिलीमेरीन कम करता है। जे पिनेल रिस : 50; 2011; 97-109

84. श्रीवास्तव एके; दिक्षित ए; प्रकाश ओ; सिंह एमपी। लखनऊ शहर, भारत में QuEChERS तरीके तरीके से बाजार में टोकरी में बिकने वाली सब्जियों का कीटनाशक अवशिष्ट का अनुवीक्षण। इनवायरोन मोनिट एसेस : 176; 2011; 465-72

85. श्रीवास्तव जी; दिक्षित ए; प्रकाश ओ; सिंह एमपी। पार्किन्सन रोग में छोटे नान-कोडिंग : RNAs उपयोग आशा और प्रचार। न्यूरोकेम इन्ट : 59; 2011; 159-69

86. श्रीवास्तव एम; अख़ून बीए; गुप्ता एसके; गुप्ता एसके। इन सिलिको तरीके में बोटराइटिस द्वारा ब्रैसिका ओलरेसीया वार में बैकलेग रोग के विरूद्ध प्रतिरोध का विकास। फुंगल जेनेट बायोलः 47; 2010; 800-8

87. श्रीवास्तव पी; सिंह पी; नारायण एन; देब जेके। स्ट्रेन से युक्त एक बहु गूढ़ प्लाजमिड, कोरीनीबैक्टीरियम रीनेल के साथ एक केस अध्ययन-होस्ट प्लाजमिड अंतः क्रिया के फीजियोलाजिकल एवं बायोकेमिकल परिणाम। प्लाजमिड : 65; 2011; 110-117

88. श्रीवास्तव आरके; पंत एबी; कश्यप एमपी; कुमार वी; लोहानी एम; जोनास एल; रहमान क्यू। मानव फेफड़े कैंसर सेल लाइन-A549 में मल्टी-वाल्ड कार्बन नैनोट्यूब्स ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस तथा एपोपटोसिस प्रेरित करते हैं। नैनोटाक्सिकोलॉजी : 5; 2011; 195-207

89. श्रीवास्तव आरके; रहमान क्यू; कश्यप एमपी; लोहानी एम; पंत एबी। मानव फेफड़े कैंसर कोशिकाओं a-549 में नैनोपार्टिकल्स प्रेरित साइटो-जीनोटॉक्सीसिटी पर डाइमिथाइलथायो यूरिया तथा एन-एसीटाइलसिस्टीन का सुधारक प्रभाव। पलोस वन : 6; 2011; ई25767

90. श्रीवास्तव एस; सिंह एम; जॉर्ज जे; भुई के; मुरारी सक्सेना ए; शुक्ला वाई। बहुधा गर्म किए नारियल तेल के आहारीय उपभोग के साथ संबंधित जीनोटॉक्सिक एवं कार्सीनोजेनिक जोखिम। बर जे नुत्र : 104; 2010; 1343-52

91. श्रीवास्तव एस; सिंह एम; जॉर्ज जे; भुई के; शुक्ला वाई। बहुधा खौलाए सूर्यमुखी तेल के उपभोग से संबंधित जीनोटॉक्सिक एवं कार्सीनोजेनिक जोखिम। जे एग्रीक फूड केम : 58; 2010; 11179-86

92. तिलक ए आर; कुमार एस; जैन एम पंत एमसी; दास बीसी यूलेरिया आर; मित्तल बी; माथुर एन; कुमार ए। फेफड़े कैंसर अतिसंवेदनशीलता के साथ माइक्रोसोमल एपोक्साइड हाइड्रोलेस जीन

(EPHXI) के कार्यात्मक महत्वपूर्ण पालीमार्फिज्म का संबंध। कैंसर इंवेस्ट : 29; 2011; 411-18

93. तिवारी एके; प्रज्ञा पी; राम केआर; चौधरी डीके। पुरूष प्रजननीय विषालुता मध्यस्थ पर्यावरण रसायन : एनीमल मॉडल के विकल्प के रूप में ड्रोसोफिला मेलानोगेस्टर। थिरियोजेनोलॉजी : 76; 2011; 197-216

94. तिवारी एमएन; सिंह एके; अहमद आई; उपाध्याय जी; सिंह डी; पटेल डीके; सिंह सी; प्रकाश ओ; सिंह एमपी। रैट नाइग्रोस्ट्रायटल प्रणाली में मोनोएमाइन ट्रांसपोर्टर्स पर सारपरमीग्रीन का प्रभाव, जीनोबायोटिक मेटाबोलाजिंग एन्जाइम्स तथा लिपिड पर ऑक्सीडेशन। फ्री रेडिक रेस : 44; 2010; 1416-24

95. त्रिपाठी एम; सिंह बीके; रायसुद्दीन एस; कक्कड़ पी। निमेसुलाइड प्रेरित ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस का निराकरण तथा फ्यूमेरिया पार्वीफ्लोरा लैम द्वारा माइटोकॉड्रिया मध्यस्थ एपोपटोसिस। जे थोनोफार्माकोलः 136; 2011; 94-102

96. त्रिपाठी एसके; गोयल आर; अंसारी केएम; राम केआर; शुक्ला वाई; चौधरी डीके; गुप्ता केसी। इन विट्रो तथा इन विवो प्रभावी नान-वायरल जीन कैरियर्स के रूप में पालीग्लूटैमिक एसिड-आधारित नैनोकंपोजिट्स। इयूर जे फार्म बायोफार्मः 79; 2011; 473-84

97. त्यागी एस; जॉर्ज जे; सिंह आर; भुई के; शुक्ला वाई। इन विवो तथा इन विट्रो मॉडल का उपयोग कर मैनकोजेब प्रभावन होने पर स्तनपायी त्वचा में प्रेरित नियोप्लास्टिक परिवर्तन। ओएमआईसीएस : 15; 2011; 155-67

98. वांग ओ; अहमद एन; बायले सीए; बौर जेए; ब्राउन के; क्सिक्ज़र ए; दास डीके; डेलमास डी; गोत्फ्रिएद सी; लिन एसवाई; मा क्यूवाई; मुखोपाध्याय पी; नलिनी एन; स्ज़ेकेरेस टी; स्ज्कुदेल्सकी टी; वाले टी; वू जेएम। एक पुराने अणु हेतु नया क्या है? रेसवेराट्राल के उपयोग पर सुनियोजित समीक्षा और संस्तुतियाँ। पलोस वनः 102; 2011; 2979-84

99. वर्मा ए; अली डी; फरुख एम; पंत एबी; राय आरएस; हंस आरके। अर्थवर्म गट माइक्रोफ्लोरा से आइसोलेटेड रोडोकोकस स्ट्रेन में एंडोसल्फान मेटाबोलाइजिंग जीन का प्रकटन तथा प्रवृत्त होना। बायोरिसोर टेक्नोल : 102; 2011; 2979-84

100. वर्मा एके; मिश्रा ए; सुभाष एस; दास एम; द्विवेदी पीडी। आनुवांशिक संशोधित फसलों में अभिव्यक्त ट्रांसजेनिक प्रोटीन्स का कंप्यूटेशनल एलर्जीनिसिटी भविष्वाणी। इम्यूनोफार्माकोल इम्यूनोटाक्सीकोल : 33; 2011; 410-22

101. यादव डी; चंद्रा आर; सक्सेना आर; अग्रवाल डी; अग्रवाल एम; घोस टी; अग्रवाल डी। ग्लूटाथियोन-एस-ट्रांसफरेस MI तथा TI जीन्स तथा गैस्ट्रिक कैंसर : उत्तर भारतीय जनसंख्या में एक उदाहरण नियंत्रण अध्ययन। जेने : 48; 2011; 166-69

102. यादव एस; चंद्रा आर। भारी धातुओं के संचयन और इकोफिजियोलाजिकल प्रभाव पर टाइफा एंगस्टीफोलिया एल तथा साइप्रस एसक्यूलेंटस एल जो कि डिस्टीलटी और टैनरी बहिष्प्रवाह प्रदूषित प्राकृतिक आर्द्रभूमि स्थल में बढ़ रहा है। इनवायरोन अर्थ स्कीः 62; 2011; 1235-43

103. यादव वीके; प्रसाद एस; पटेल डीके; खान एएच; त्रिपाठी एम; शुक्ला वाई। अनलेडेड पेट्रोल और डीजल निकास उत्सर्जन पालीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन्स की पहचान। इनवायरोन मोनिट एसेस : 168; 2010; 173-8

## कवर पेज लेख

बवेजा एल, गुरबानी डी शंकर आर पांडे ए के, सुब्रमण्यम वी, धवन ए C60 फ्लरीन मानव डीएनए टोपोईओस्मेरसे के द्वितीय अल्फा एटीपी बाध्यकारी डोमेन के साथ बांधता है। जेबीओमेड ननोटेक्नोल 7, 2011, 177-78

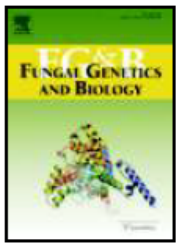


एम श्रीवास्तव, अखून बीए, गुप्ता एस के, गुप्ता एस के। सिलिको तरीकों के माध्यम से botrytis var ब्रसीका ओलेरेसीया में ब्लाक्लेग रोग के खिलाफ प्रतिरोध के विकास फंगल जेनेट बॉयल : 47, 2010, 800-8

## किताबें/किताबों में अध्याय

1. अहमद आइ, सिद्दीकी एच (2011).: मानव और पशु स्वास्थ्य में पर्यावरण सुरक्षा पर्यावरण में अस्बेस्टोस से स्वास्थ्य जोखिम है, IBDC प्रकाशक लखनऊ 297-312
2. एसके गुप्ता, शिमत्ज़ यू (2010) उच्च throughput डेटा का विश्लेषण करने के लिए बायोइनफॉरमैटिक्स दृष्टिकोण। जैव प्रौद्योगिकी में हाल की प्रवृत्तियाँः खंड 2, नोवा साइंस प्रकाशक इंक, संयुक्त राज्य अमेरिका 129-156
3. मरीन संगुइनों ए, गुप्ता एस, वोइट ई.ओ., वेरा जे (2011) कैंसर और अन्य जटिल रोगों में दवा लक्ष्य का पता लगाने के लिए जैव रासायनिक मार्ग मॉडलिंग उपकरण में तरीके । इन माइकल जॉनसन संपादक मेंः एंजाइमोलोजी, वॉल्यूम 487, कंप्यूटर तरीके, भाग सी, बरलिंगटोनः शैक्षणिक प्रेसः 319-369
4. निगम एन, जार्ज जे शुक्ला वाई (2010) । अरदक का आणविक लक्ष्य और उपचार का उपयोग (6 gingerol): आण्विक लक्ष्य और मसाले के चिकित्सीय उपयोगः प्राचीन चिकित्सा, का आधुनिक उपयोग विश्व वैज्ञानिक सार्वजनिक सहकारिता लिमिटेड 225-256
5. शर्मा वी पी अग्रवाल वी, उमर एस सिंह ए के (2011) पर्यावरण परिप्रेक्ष्य, भविष्य की प्रवृत्तियों और कचरे के न्यूनतमः बहुलक कंपोजिट स्थिरता प्रोक पर्यावरण विज्ञान और विकास पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (2011 ICESD), IEE, चीनः 259-261